गुरु नानक – सबद ३१

भुगत गिआन दइआ भंडारण घट घट वाजहि नाद ॥

जपु, गुरु नानक, गुरु ग्रंथ साहिब, ६

भुगति गिआनु दइआ भंडारणि घटि घटि वाजहि नाद ॥
आपि नाथु नाथी सभ जा की रिधि सिधि अवरा साद ॥
संजोगु विजोगु दुइ कार चलावहि लेखे आवहि भाग ॥
आदेसु तिसै आदेसु ॥
आदि अनीलु अनादि अनाहति जुगु जुगु एको वेसु ॥२९॥

सार: आध्यात्मिक ज्ञान केवल तथ्यों और सूचनाओं को एकत्रित करने के बारे में नहीं है। इसके लिए करुणा, आत्म-प्रतिबिंब और विविध दृष्टिकोणों की स्वीकृति की आवश्यकता होती है।जिससे सामाजिक-समर्थक व्यवहार को सचेत रूप से विकसित किया जा सकता है। इसमें आलोचनात्मक सोच भी शामिल है जो निरंतर व्यक्तिगत विकास के लिए सोच समझ कर निर्णय लेने की अनुमति देती है। ताकि इस बात पर विचार किया जा सके कि हमारे कार्य आस-पास के लोगों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

भुगति गिआनु दइआ भंडारणि घटि घटि वाजहि नाद ॥
आध्यात्मिक ज्ञान को जीविका की दैनिक रोज़ी-रोटी का स्रोत और करुणा को भंडार मानें, क्योंकि एक ही जीवन शक्ति सृष्टि के हर हिस्से में रहती है।

आपि नाथु नाथी सभ जा की रिधि सिधि अवरा साद ॥
सर्वव्यापी अदृश्य चेतना कई अभिव्यक्तियों के अलावा दुनयावी दौलत, आध्यात्मिक ज्ञान और चमत्कारी शक्तियों को प्रकट करने में सर्वोच्च स्वामी है।

संजोगु विजोगु दुइ कार चलावहि लेखे आवहि भाग ॥

सांसारिक कामों में संयोग और वियोग, मिलन- जुदाई का दोहरापन एक साथ संचालित हो कर चलता रहता है। किसी के करमों के आधार पर, कारण और प्रभाव का नियम उसके भाग्य का निर्धारण करता है।

आदेसु तिसै आदेसु ॥

प्रकृति की इच्छा का सम्मान करें यही सार्वभौमिक नियम है।

आदि अनीलु अनादि अनाहति जुगु जुगु एको वेसु ॥२९॥

अनादि काल से स्रोत, दोषरहित, अनंत, सर्वव्यापी अदृश्य ऊर्जा एक ही मौलिक इकाई रही है। (२९)

तत्त्व: गुरु नानक कहते हैं करमों और निर्णयों का प्रभाव पड़ता है। चाहे चुनाव छोटा, मामूली, महत्वहीन, महत्वपूर्ण या परिवर्तनकारी वाला हो, प्रत्येक फैसला और कार्रवाई घटनाओं को गति प्रदान करती है, जिससे व्यक्तिगत और सार्वभौमिक स्तर पर अनुभव किए जाने वाले प्रभाव पैदा होते हैं क्योंकि सभी प्राणियों का स्रोत एक ही सर्वव्यापी चेतना है।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com